विश्व प्रवासी पक्षी दिवस 2022

विश्व प्रवासी पक्षी दिवस हाल ही में **08 अक्तूबर, 2022** को मनाया गया।

विश्व प्रवासी पक्षी दिवस (World Migratory Bird Day-WMBD):

- **परिचय:** यह प्रवासी पक्षियों, उनके संरक्षण की आवश्यकता और उनके आवास के संरक्षण के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये **आयोजित एक द्विवार्षिक वैश्विक अभियान** है।
  - यह मई में दूसरे शनिवार और फिर अक्तूबर में मनाया जाता है। इस वर्ष यह **14 मई तथा 8 अक्तूबर, 2022** को मनाया गया।
  - WMBD का आयोजन संयुक्त राष्ट्र की दो संधियों-[जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय (CMS)] और **अफ्रीकी-यूरेशियन माइग्रेटरी वाटरबर्ड एग्रीमेंट (AEWA)** एवं गैर-लाभकारी संगठन, **एन्वायरनमेंट फॉर द अमेरिकाज़ (EFTA)** के अंतर्गत किया जाता है।
    - वर्ष 2022 के वैश्विक अभियान को **पूर्वी एशियाई ऑस्ट्रेलियाई फ्लाईवे पार्टनरशिप (EAAFP)** और **बर्ड लाइफ इंटरनेशनल (BLI)** सहित अन्य समर्पित संगठनों द्वारा भी सक्रिय रूप से समर्थन दिया जा रहा है।
- **थीम:**
  - **WMBD 2022** की थीम ["प्रकाश प्रदूषण" (Light Pollution)] है।
    - WMBD 2022 इन पक्षियों पर **प्रकाश प्रदूषण की बढ़ती समस्या को संबोधित** कर रहा है और इन पक्षियों को सुरक्षित रूप से **स्थानांतरित करने में मदद** करने के लिये वैश्विक स्तर पर कार्रवाई कर रहा है।
  - कृत्रिम प्रकाश प्रवासी पक्षियों के लिये प्रमुख खतरों का कारण है जैसे:
    - रात में उड़ते समय विकृति
    - इमारतों के साथ टकराव
    - लंबी दूरी तक प्रवास करने की उनकी क्षमता और उनकी आंतरिक घड़ी (Internal Clock) में व्यवधान।

प्रकाश प्रदूषण:

- **परिचय:**
  - CMS के अनुसार, "प्रकाश प्रदूषण कृत्रिम प्रकाश को संदर्भित करता है जो पारिस्थितिक तंत्र में प्रकाश और अंधकार के प्राकृतिक पैटर्न को बदल देता है"।
    - पूरी दुनिया में रात्रि में कृत्रिम प्रकाश का उपयोग बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2012 से वर्ष 2016 तक बाहरी क्षेत्रों में प्रकाश के उपयोग में प्रतिवर्ष 2.2% की वृद्धि हुई। वर्ष 2022 में यह संख्या कहीं अधिक हो सकती है।
    - आज दुनिया की 80% से अधिक आबादी "चमकते आकाश" के नीचे रहती है, जो यूरोप और उत्तरी अमेरिका में 99% के करीब है।
- **पक्षियों पर प्रकाश प्रदूषण का प्रभाव:**
  - यह पक्षियों के व्यवहार को बदल सकता है, जिसमें प्रवास, भोजन तलाश (foraging) और वोकल कम्युनिकेशन शामिल हैं।
    - यह उनकी गतिविधि के स्तर और उनके ऊर्जा व्यय को भी प्रभावित करता है, विशेषकर जो रात में पलायन करते हैं।
  - यह रात में प्रवास करने वाले पक्षियों को आकर्षित और विचलित करता है, जो अंततः प्रकाश वाले क्षेत्रों में चक्कर लगाते रहते हैं।
    - इस अप्राकृतिक प्रकाश-प्रेरित व्यवहार के परिणामस्वरूप वे **अपने ऊर्जा भंडार को समाप्त कर सकते हैं, जिससे थकावट, शिकार और घातक टकरावों के प्रति उनकी संवेदनशीलता बढ़ जाती है।**
  - **लंबी दूरी के प्रवासी पक्षी,** जैसे ब्लैकपोल वार्बलर, एशियाई स्टबटेल और ओरिएंटल प्लोवर प्रकाश प्रदूषण के अपेक्षाकृत कम स्तर वाले क्षेत्रों में अपना प्रवास शुरू और समाप्त कर सकते हैं, लेकिन **प्रवास के दौरान वे तीव्र शहरी विकास वाले क्षेत्रों में उड़ सकते हैं जहाँ उन्हें कृत्रिम प्रकाश के उच्च स्तर का अनुभव होता है।**

प्रवासी प्रजातियों पर सम्मेलन अथवा बॉन अभिसमय:

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिसका उद्देश्य प्रवासी प्रजातियों की सभी श्रेणियों को संरक्षित करना है। इस समझौते पर **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** ([UNEP]) के तत्त्वाधान में हस्ताक्षर किये गए थे और यह वैश्विक स्तर पर वन्यजीवों और आवासों के संरक्षण से संबंधित है।
- इस पर हस्ताक्षर 1979 में जर्मनी के बॉन शहर में किये गए थे और यह वर्ष 1983 में लागू हुआ।

- संयुक्त राष्ट्र की पर्यावरण संधि के रूप में, CMS प्रवासी जानवरों और उनके **आवासों के संरक्षण तथा सतत् उपयोग के लिये** एक वैश्विक मंच प्रदान करता है।
- भारत CMS का हस्ताक्षरकर्त्ता है।
- भारत ने गुजरात के गांधी नगर में CMS CoP-13 (वर्ष 2020 में) की मेज़बानी की।
    - भारत ने मध्य एशियाई फ्लाईवे के तहत प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण के लिये राष्ट्रीय कार्ययोजना भी शुरू की है।
- भारत कई प्रवासी जानवरों और पक्षियों का अस्थायी घर है।
    - इनमें से महत्त्वपूर्ण हैं अमूर फाल्कन्स, बार-हेडेड गीज़, ब्लैक-नेक्ड क्रेन्स, मरीन टर्टल, डुगोंग, **हंपबैक व्हेल्स आदि।**
    - भारतीय उपमहाद्वीप भी प्रमुख पक्षी फ्लाईवे नेटवर्क का हिस्सा है, यानी **सेंट्रल एशियाई फ्लाईवे** (CAF) जो आर्कटिक और हिंद महासागरों के बीच के क्षेत्रों को शामिल करता है।

स्रोत: सी.एम.एस.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-migratory-bird-day-2022